

प्रेषक,
सुभाष कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।
सेवा में,
जिलाधिकारी,
नैनीताल।

राजस्व अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: २ अक्टूबर, 2009

विषय:-विवेकानन्द साईन्स मैनेजमेन्ट एवं टेक्नोलॉजी सोसाइटी, हल्द्वानी को ग्राम किशनपुर पौडिया, तहसील हल्द्वानी, जिला नैनीताल में उच्च शिक्षण संस्थान की स्थापना हेतु कुल 1.00 है० भूमि क्रय की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-12/12-ज्येड0ए0सी0/08 दिनांक-18.07.08 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय विवेकानन्द साईन्स एवं टेक्नोलॉजी सोसाइटी, हल्द्वानी, जिला नैनीताल को उच्च शिक्षण संस्थान की स्थापना हेतु ग्राम किशनपुर पौडिया, तहसील हल्द्वानी, जिला नैनीताल में कुल 1.00 है० भूमि क्रय की अनुमति उत्तराखण्ड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुकूलन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 की धारा-154(4)(3)(क)(III) के अन्तर्गत आपके द्वारा संस्तुत खसरा/खाता संख्या-10 के खेत संख्या-46 कुल रकबा 0.563 है० तथा खाता संख्या-2 के खेत संख्या-23/2 कुल रकबा 0.095 है० तथा खेत संख्या-45/1 कुल रकबा 0.430 है० एवं खाता संख्या-10 के खेत संख्या-24 रकबा 0.126 के अधीन क्रय करने की अनुमति निम्नलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

- 1- क्रेता धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिधर बना रहेगा और ऐसा भूमिधर भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के कलेक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि क्रय करने के लिये अर्ह होगा।
- 2- क्रेता बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिए अपनी भूमि बन्धक या दृष्टि बन्धित कर सकेगा तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिधरी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।
- 3- क्रेता द्वारा क्रय की गयी भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूमि के विक्रय विलेख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन (बी०सी०ए०, बी०बी०ए० एवं पी०जी०डी०सी०ए०) के लिये करेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की गयी है। यदि वह ऐसा नहीं करता अथवा उस भूमि का उपयोग जिसके लिये उसे स्वीकृत किया गया था, उससे भिन्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अन्तरण करता है तो ऐसा अन्तरण उक्त अधिनियम के प्रयोजन हेतु शून्य हो जायेगा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

- 4- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जाति/जनजाति के न हों और अनुसूचित जाति/जनजाति के भूमिधर होने की स्थिति में भूमि कय से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से नियमानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।
- 5- जिस भूमि का संक्रमण प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असंक्रमणीय अधिकार वाले भूमिधर न हों।
- 6- शासन द्वारा दी गई भूमि कय की अनुमति शासनादेश निर्गत होने की तिथि से 180 दिन तक वैध रहेगी।
- 7- संस्था द्वारा प्रस्तावित भूमि का उपयोग उपरोक्त पाठ्यक्रमों हेतु ही किया जायेगा। तथा इससे भिन्न कार्य हेतु यदि भूमि का उपयोग किया जाता है तो उक्त भूमि राज्य सरकार में निहित कर ली जायेगी।
- 8- किसी दशा में प्रस्तावित क्रेताओं को प्रस्तावित भूमि के अतिरिक्त अन्य भूमि के उपयोग की अनुमति नहीं होगी एवं सार्वजनिक उपयोग की भूमि या अन्य कोई भूमि पर कब्जा न हो। इसके लिए भूमि कय के तत्काल बाद उसका सीमांकन कर लिया जाय।
- 9- भूमि का विक्रय अपरिहार्य परिस्थितियों के अतिरिक्त अनुमन्य नहीं होगा एवं ऐसी दशा में विक्रय किये जाने हेतु सरकारण शासन का अनुमोदन प्राप्त करना होगा।
- 10- योजना प्रारम्भ करने से पूर्व नियमानुसार सम्बन्धित विभागों/संस्थाओं से विधिक व अन्य अनापत्तियाँ/स्वीकृतियाँ प्राप्त कर ली जायेगी।
- 11- सम्बन्धित आवेदक द्वारा भू-उपयोग करने से पूर्व सक्षम एजेन्सी (विनियमित क्षेत्र/विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण/विकास प्राधिकरण) से नियमानुसार अनापत्ति प्राप्त करनी होगी तभी वह भूमि का उपयोग निर्धारित कार्य हेतु कर सकेंगे।
- 12- उपरोक्त शर्तों/प्रतिबन्धों का उल्लंघन होने पर अथवा किसी अन्य कारणों से, जिसे शासन उचित समझता हो, प्रश्नगत स्वीकृति निरस्त कर दी जायेगी।

कृपया तदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

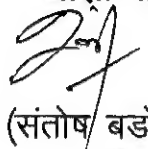
(सुभाष कुमार)
प्रमुख सचिव।

पू0प0सं0-471/समदिनांकित 2009

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- मुख्य राजस्व आयुक्त, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 3- आयुक्त, कुमाऊं मण्डल, नैनीताल।

- 4— श्री योगेश चन्द तिवारी, प्रतिनिधि विवेकानन्द साइन्स मैनेजमेन्ट एवं टैक्नोलॉजी सोसाइटी निवासी धार विठौरिया संख्या-1 पोस्ट आफिस हरिपुर नायक कुसुम खेड़ा हल्द्वानी जिला नैनीताल।
- 5— निदेशक एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 6— प्रभारी मीडिया सेन्टर उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 7— गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(संतोष बडोनी)
अनु सचिव।